दस साल में सूख गए तालाब, पोखर और कुंड

मिटने के कगार पर आई प्राकृतिक जल संपदा की धरोहरें, अवैध कब्जों ने खत्म कर दिए लाभदायक खनिज के स्रोत

दैनिक जागरण जलदान

सूखे पड़े महाविद्या कुंड में खेलते बच्चे। दूसरे चित्र में सूखा पड़ा सरस्वती कुंड • जागरण

जागरण संवाददाता, मथुरा : गोपेश्वर नाथ अकेले व्यक्ति नहीं हैं, जो तीस साल पहले तक तालाब गली के तालाब, बलभद्र कुंड और शिव ताल में गोता लगाकर नहाए हैं। चतुर्वेदी समाज के बहुत से युवा ऐसे ही कुंडों और तालाबों में छलांग लगाते हुए बड़े हुए हैं। झींगुर पुरा के मोहन और यमुना पार के जग्गी को भी पोखरों में डुबकी अभी तक याद है। अब बदली दिनचर्या, भागदौड़ और रेडीमेड संस्कृति ने इन्हें जकड़ जरूर लिया है, पर प्राकृतिक जल स्रोतों के पानी की महक और उनके खनिजों का सेवन वे आज भी करना चाहते हैं, पर आज कुंड, तालाब, पोखर और कुआं अतीत के दामन में सिमट चुके हैं।

बारिश की कमी, कंकरीट में वृद्धि और जलवायु परिवर्तन से प्राकृतिक जल स्रोत डिस्टर्ब क्या हुए, आबादी ने जल स्रोतों को हमेशा के लिए बंद कर देने में कोई गुरेज नहीं किया। अब शहर में कुंड और तालाब गिने-चुने हैं और जो हैं, वे या तो गंदे पानी की पोखर हैं अथवा पत्थर का लिबास ओढ़े पानी की आस में टकटकी लगाए हुए हैं।

मथुरा-वृंदावन में कुंड, तालाब और पोखर पिछले दस साल में गायब ही हो गए। जो हैं, वे अपने नाम के अनुरूप प्राकृतिक जल स्रोतों का कारक नहीं रहे। और तो और कुआं भी सूख चुके हैं। घाट किनारा हो अथवा राजकीय संग्रहालय के पास का कुआं या फिर बाग-बगीचियों के कुआं या फिर गली-मुहल्लों के।

श्री कृष्ण जन्म स्थान के पास का पोतरा कुंड का दो दशक से ज्यादा समय पहले जीर्णोद्धार हो चुका है। इसमें कुछ सीढ़ियों तक पानी है, लेकिन काई युक्त है। यह न बढ़ता है और न ही घटता है। इसमें सीढ़ियों पर बनी बैठकें पानी के अभाव में दर्शनीय नहीं रहीं। यह परकोटे में बंद है और दूर से देखने लायक ही बचा है। लेकिन धन्य हो श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा सस्थान, जो इसकी देखरेख पर पैसा खर्च कर रहा है और इसके सौंदर्य को बचाए हुए है। सरस्वती कुंड तो इस क्षेत्र में दिखता ही नहीं है। बलभद्र कुंड की भी यही हालत है तो शिव ताल कौन सा अछूता बचा है।

महाविद्या कुंड के जीर्णोद्धार पर पर्यटन विभाग ने सालों पहले 95 लाख का खर्च किया, पर इसमें पानी नहीं है। यह खेल का मैदान बना हुआ है।

होलीगेट अंदर तालाब वाली गली का तालाब जरूर है, इसमें काफी गहराई का पानी हुआ करता था, पर अब यह भी देखने और सुनने लायक ही रह गया है। यमुना किनारे सती बुर्ज, श्याम घाट, बंगाली घाट, स्वामी घाट, असकुंडा और उससे आगे के कुआं हैं तो सही, पर इनकी उपयोगिता अब नहीं बची। कई सूख गए हैं तो तमाम यमुना के प्रदूषित पानी की वजह से इनका जल स्रोत भी प्रदूषित हो चुका है। बगीचियों के कुआं भी एकाध ही पानी पीने लायक बचे हैं। पोखरों का भी यही हाल है। पन्ना पोखर हो अथवा दूसरी पोखरें, अतिक्रमण और अवैध कब्जों ने इन्हें खत्म कर दिया है। स्टेट बैंक के पीछे की पोखर को कृष्णा नाम देकर उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने इसे संवारने का जिम्मा लिया है, लेकिन आसपास की गंदगी के लिए ड्रेनेज सिस्टम बने बिना उसका उद्धार शायद ही हो पाए।

बकरी के दूध और मांस प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण

संवाद सूत्र, फरह : शनिवार को मखदूम बकरी अनुसंधान संस्थान में मूल्य संवंधित बकरी मांस उत्पाद प्रसंस्करण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. वी. राजकुमार ने बताया कि प्रशिक्षुओं को विभिन्न बकरी के दूध और मांस प्रसंस्करण पर स्वयं प्रयोग करके प्रशिक्षित किया गया। इस संस्थान में पहली बार ऐसा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं। देश के कई राज्यों से आए प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। इनको प्रमाण पत्र के वितरण के बाद कार्यक्रम में मौजूद गोवर्धन क्षेत्र के विधायक कारिंदा सिंह ने संस्थान के देश के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। विभिन्न प्रांतों से आए प्रशिक्षुओं ने पाठ्यक्रम संरचना की सराहना की। सुझाव दिया कि यह पाठ्यक्रम शुरुआती कारोबारियों के लिए विशिष्ट है।

बकरी मांस वध, बिक्री और निर्यात के मामले में उन्हें भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न मानकों के बारे में समझाया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एमएस चौहान ने कहा कि जो भी प्रशिक्षु इस प्रशिक्षण के प्रतिभागी हैं, संस्थान उनके सहयोग में सदैव तत्पर रहेगा। इसके साथ ही आश्वस्त किया उद्योग संचालन में यदि कोई समस्या आती है तो संस्थान उनका मार्गदर्शन करेगा। मंच संचालन डॉ. अरुण कुमार वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुमन किया ने किया। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसके जिन्दल, डॉ. यूबी चौधरी, डॉ. एमके सिंह, डॉ.एसडी खर्चे, डॉ. एमएस डिगे, डॉ. नीतिका शर्मा इत्यादि उपस्थित थे।

Roopam StarWorld Cinemas
Waiting Lounge | 2K Projection | 3D Movies | Better Leg Room | Cafeteria
Jurrasic World The Fallen Kingdom (2D Hindi): 10:30 AM 01:00 PM 03:30 PM 06:00 PM 09:00 PM
KAALA: 10:00 AM 01:05 PM 06:35 PM 09:40 PM
VEERE DI WEDDING: 04:10 PM
For Telebooking :- 9997495066
For Bulk Booking:- info@starworldcinemas.com
Online Booking- www.bookmyshow.com, www.paytm.com
Mathura- Vrindavan Road, Masani, Uttar Pradesh -281003

एक नजर

सरकारी निर्माण को भी लेनी होगी विप्रा से अनुमति

मथुरा : मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने बिना मानचित्र स्वीकृत कराए निर्माण कराने वालों पर नजर रखने की जिम्मेदारी थाना-चौकियों को दे दी है। अब संबंधित क्षेत्र के थाना-चौकी ऐसे निर्माणों को तत्काल रुकवा कर विप्रा को जानकारी दे सकेंगे। ऐसा निर्माण चाहे फिर कोई सरकारी विभाग ही क्यों न करा रहा हो। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष समीर वर्मा ने कहा है कि कोई निजी व्यक्ति, संस्था अथवा सरकारी विभाग भी बिना प्राधिकरण से नक्शा पास कराए निर्माण नहीं करा पाएगा। उन्होंने कहा है कि सभी के लिए निर्माण की अनुमति, उसकी अवधि आदि का बोर्ड पर डिस्प्ले करना भी अनिवार्य किया गया है। (जासं)

एडीएम ने किया निरीक्षण

मथुरा : गंगा दशहरा पर्व के मद्देनजर एडीएम वित्त व यमुना कार्ययोजना के नोडल अधिकारी रवींद्र कुमार ने सिटी मजिस्ट्रेट बसंत अग्रवाल और अपर नगर आयुक्त सुशीला अग्रवाल के साथ यमुना के घाटों का निरीक्षण किया। घाट

तेज आंधी के बाद हुई मूसलाधार बरसात

दिन में तेज धूप और गर्म हवा चलने के बाद शाम को पन्द्रह मिनट की बारिश से मिली राहत

शनिवार शाम को आई तेज धूल भरी आंधी से अंधेरा छा गया और वाहन चालकों को दिखाई देना बंद हो गया। हाईवे पर वाहनों को रोककर खड़े राहगीर • जागरण

जागरण संवाददाता, मथुरा : दिन भर तेज धूप और गर्म हवा चलने के बाद शनिवार की शाम को मौसम ने पलटा खाया। शाम करीब छह बजे तेज आंधी के बाद मूसलाधार बारिश आई। इससे गर्मी से तपते श्रद्धालुओं को कुछ राहत मिली। कई दिन से पड़ रही चिलचिलाती धूप से लोग व्याकुल थे। दिन में लोग घरों

रफ्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इस आंधी से देहात में दुकान और घरों के टीन उड़ गए। आंधी से हाईवे और शहर की सड़कों पर धूल ही धूल दिखाई देने लगी। दो पहिया वाहन चालक वाहन रोककर सड़क किनारे खड़े हो गए। आंधी के बाद आई मूसलाधार बरसात हुई। हालांकि यह बारिश 15 मिनट ही

सभी प्रकार की स्पाइन (रीढ़ की हड्डी) एवं नसों सम्बन्धित बीमारियों का विश्वसनीय इलाज
POLARIS neurosciences
डॉ. सौरभ शर्मा
Dr. Saurabh Sharma
MCh Neurosurgery (AIIMS, New Delhi)
एम्स प्रशिक्षित ब्रेन एवं स्पाइन विशेषज्ञ
Director : LOTUS Neuro Trauma & Spine Care Centre
विशेषताऐं
गर्दन व कमर दर्द
स्लिप डिस्क
स्पाइनल ट्यूमर
सरवाइकल स्पोनडिलाइटिस
रीढ की हड्डी की टी.बी.
स्पाइन फ्रेक्चर

इस यूनिट में सभी प्रकार के दर्द का इलाज नवीनतम विधियों द्वारा उपलब्ध।
✔ सभी प्रकार के स्पाइन ब्लॉक–DRG Block Epidural Block , Ozone Discolysis की सुविधा।
✔ सभी प्रकार की स्पाइन सर्जरी, दूरबीन विधि द्वारा छोटे चीरे एवं बिना चीरे (MISS)
✔ Spine Rehab Program

Copyright

प्रशिक्षार्थियो को सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर माननीय विधायक कारिंदा सिंह जी एवं निदेशक महोदय प्रमाण पत्र बितरित करते किये हुए

पाँच दिवसीय पृशिक्षण कार्यकृम के समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथ माननीय विधायक कारिन्दा सिंह जी (गोवर्धन , मथुरा) ने कहा कि बकरी मॉस के उत्पादों के प्रसंस्करण से किसान की आय में बृद्धि होगी एव इस नई तकनीकी से बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा .